



EKAL SHAKTI

VANBANDHU PARISHAD **RASHTRIYA MAHILA SAMITI**



Vol 21 APRIL '23 - MAY '23



अध्यक्षीय मनोगत



राष्ट्र निर्माण और एकल

किसी भी राष्ट्र के निर्माण में शिक्षा प्रणाली का महत्वपूर्ण योगदान होता है। हमारा राष्ट्र जो विश्वगुरु कहलाता था, उसका आधार भी हमारी शिक्षा प्रणाली ही थी। लेकिन अपने १०० वर्षों के शासनकाल में ब्रिटिश सरकार द्वारा हमारी सनातन शिक्षा प्रणाली को समूल उखाड़ दिया गया और पाश्चात्य शिक्षा प्रणाली के मदरसे खोले गए। गांवों में तो इनका भी अभाव था जिसके फलस्वरूप हमारे गांव अज्ञानता और गरीबी के अंधकार में डूबते चले गए।

इसी संवेदना से १९८९ में वन बंधु परिषद का जन्म हुआ और एकल विद्यालय योजना का शुभारंभ। एकल की शिक्षा प्रणाली से गांवों में इतने सकारात्मक परिवर्तन होने लगे कि इससे जुड़े सभी कार्यकर्ताओं ने इसे अपने जीवन का लक्ष्य बना लिया। समाज ने भी एकल के वृहद उद्देश्य को समझा और यथासंभव इस महायज्ञ में अपनी- अपनी आहुतियां दी। यही कारण है कि समाज के सहयोग से हम १ लाख से भी अधिक गांवों में एकल विद्यालयों का संचालन कर पाए । कोरोना काल के पश्चात अनेक विद्यालय बंद करने पड़े और वर्तमान में हमारे ८४,००० एकल विद्यालय संचालित हैं।

प्राथमिक शिक्षा के साथ साथ विद्यालयों में व्यक्तिगत तथा परिवेश की स्वच्छता और योगाभ्यास तथा कथा, कहानी व सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से संस्कार जागरण भी होता है। ग्राम सिमितियों का गठन कर विचार गोष्ठियां होती हैं जिसके अंतर्गत सरकारी योजनाओं, स्वावलंबन व आरोग्य से संबंधित विस्तृत चर्चा, साप्ताहिक सत्संग के माध्यम से वनवासी समाज में आर्थिक, सामाजिक, शैक्षिक और राजनीतिक चेतना पैदा करने का महत्वपूर्ण कार्य भी हो रहा है। इससे धर्मांतरण भी रुका और राष्ट्रीय चेतना का भी जागरण हुआ है। इस प्रकार एकल के माध्यम से राष्ट्र निर्माण का महत्वपूर्ण कार्य हो रहा है।

बड़े खेद का विषय है कि आजादी के 75 वर्ष पश्चात भी हमारे विद्यालयों व विश्वविद्यालयों का समाज निर्माण से, चरित्र निर्माण से और छात्रों के जीवन निर्माण से कोई संबंध दिखाई नहीं देता। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति २०२० के बारे में भी अनेक शिक्षाविदों का कहना है कि आजादी के पश्चात पहली बार शिक्षा नीति में वृहद परिवर्तन हुए हैं, कई बातों का ध्यान रखा गया है, लेकिन शिक्षा के मूल उद्देश्य यानी चरित्र निर्माण को नजरअंदाज किया गया है।

ऐसी परिस्थितियों में समाज को ही अपने युवाओं के चरित्र निर्माण की चिंता करनी होगी। एकल ने हमें वनवासी समाज द्वारा राष्ट्र निर्माण की अनेक गाथाओं से अवगत कराते हुए राष्ट्र के उज्जवल भविष्य के लिए वनवासियों के उत्थान की विभिन्न योजनाएं दी है। राष्ट्र ही सर्वोपिर है, राष्ट्र है तो हमारी पहचान है। हमें यह समझना होगा कि सिर्फ व्यक्तिगत विकास, व्यक्तिगत उन्नति कमजोर नींव पर महल बनाने के सामान है, जो कभी भी धराशायी हो सकता है। इसलिए अपने से ऊपर हमें राष्ट्र को रखना होगा, संगठन की शक्ति को समझना होगा। आइए हम सब मिलकर एक दूसरे का संबल बनें और सशक्त राष्ट्र के निर्माण में अपना सहयोग दें।

जय भारत! जय एकल!

लता मालपानी अध्यक्ष वनबन्धु परिषद- राष्ट्रीय महिला समिति

Editorial Board



Smt. Lata Malpani



Smt. Vineeta Jaju



Smt. Shobhana Paranjpye



Smt. Rashmi Chandak



Star Projects



Bhopal: माउंटेनियर ज्योति रात्रे द्वारा माउंट एवरेस्ट अभियान	13
Indore: Walkathon and Heritage Walk	16
Bangalore: एकपात्री नाट्य सीता	22
Ranchi: वनवासी बच्चों का नगर भ्रमण	35
Dibrugarh: फ़िल्म प्रदर्शन	38

Star Photography



Dhanbad

Ranchi



भक्ति एवं शक्ति की माता नारायणी के नारायणी धाम के पविल एवं सुरम्य वातावरण में दिनांक १८ अप्रैल को वनबंधु परिषद राष्ट्रीय महिला समिति वेस्ट ज़ोन की बैठक सफलतापूर्वक संपन्न हुई।

पुणे सिमिति ने इस सभा का आतिथ्य किया। सभा में जोनल अध्यक्ष व सिचव को मिलाकर राष्ट्रीय महिला सिमिति के कुल ६ सदस्य उपस्थित थे। अहमदाबाद, भोपाल, ग्वालियर, इंदौर, मुंबई, नासिक, नागपुर तथा पुणे से कुल मिलाकर ६० सदस्यों ने सभा में भाग लिया। नागपुर की सह सिमिति चंद्रपुर भी उपस्थित थी। सूरत, जबलपुर तथा अमरावती सिमिति से किसी कारणवश कोई भी सिमिति सदस्य नहीं आ पाये।

सभी कार्यकर्ता स्थानापन्न होने तक एकल की फिल्म दिखाई गयी।

- ब्रह्मनाद, एकल गीत और दीप प्रज्वलन के साथ ही सभा का विधिवत आरंभ हुआ।
- पूणे समिति अध्यक्ष अर्चनाजी जी बेहेडे ने स्वागत उद्बोधन किया।
- · वेंस्ट ज़ोन अध्यक्ष छायाजी काबरा ने भी स्वागत उद्घोधन में उपस्थित सभी समिति सदस्यों व राष्ट्रीय महिला समिति के पदाधिकारियों का हार्दिक स्वागत किया।
- राष्ट्रीय महिला समिति के पदाधिकारियों को पुणेरी पैठणी के दुप्पटे से सम्मानित किया गया।

Zonal Meeting, West Zone, on 18th April

- अध्यक्ष लताजी एवं सचिव विनीता जी के मनोगत से सभा आरम्भ हुई।
- · मां रत्नीदेवी काबरा ने सभी को आशीर्वचन दिये एवं समितियों के बारे में विस्तारपूर्वक बताया।
- सह संगठन मंत्री उमाजी पचीसिया ने संगठन के बारेमें अपने विचार प्रकट किये ।
- चैप्टर के अध्यक्ष मा.वसंतजी राठी ने अपना मनोगत व्यक्त किया।
- पुणे से पधारे प्राजक्ताजी काले (बोनसाई क्षेत्र में गिनीज़ वर्ल्ड रेकॉर्ड प्राप्त) एवं शिक्षा जगत् में पूना में जिनका विशेष नाम है वे VIT कॅालेज की Director तृप्तीजी अगरवाल को स्मृतिचिन्ह देकर सम्मानित किया गया तथा उनके कार्यों की विस्तृत जानकारी PPT माध्यम से दी गयी। तत्पश्चात् उन्होंने अपने भावपूर्ण मनोगत व्यक्त किये।
- अध्यक्ष लताजी ने Techno friendly होने की आवश्यकता इस पर प्रकाश डाला एवं NEC, AGM में सिमित सदस्यों की उपस्थिति के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किये।
- सचिव विनिताजी ने 'अच्छी समिति कैसी हो' इस विषय पर अपने विचार रखते हुए प्रभारियों का दायित्व तथा वार्षिक कैलेंडर का महत्व समझाया।
- · मध्याह्र भोजन सभा में उपस्थित सभी समितियों ने PPT Presentation के माध्यम से दिये गये विषयोंपर अपने विचार रखे। इंदौर समिति ने सखीसंगम के उपर नाटिका प्रस्तुत करके सदस्यता बढाने के लिये सभी समितियों को प्रेरित किया।
- · अहमदाबाद समिति ने हाउजी से करीबन १०० विद्यालयों के लिए अनुदान कैसे संग्रहित किया इसका स्वानुभव साझा किया।
- भोपाल समिति ने समिति को सशक्त कैसे बनाये पर चिन्तन करते हुए भविष्य की योजनायें सामने रखीं।
- · ग्वालियर समिति ने गोबर के कुटिरोद्योग की जानकारी दी एवं स्टॉल भी लगाया।
- · मुंबई समिति ने अपने बहुत बड़े संक्रांति संग्रह के बारेमें अनुभव साझा किये एवं सभी को इस महत्वपूर्ण कार्य हेतु प्रेरित भी किया।
- नागपुर समिति ने प्रभावी वनयाता कैसी हो? इस विषय पर छोटे -छोटे सुझाव दिए।
- नासिक समिति ने अपनी भविष्य की योजनाओं को सामने रखा।
- National E-bulletin एकल शक्ति की संपादक शोभनाजी परांजपे ने E -bulletin में प्रकल्पों का विवरण भेजते समय किन किन बातों का ध्यान रखना जरुरी है, इस विषय पर उपयोगी सुझाव दिए।
- वेस्ट ज़ोन की अध्यक्ष आ. छायाजी काबरा ने अपने ४ वर्ष के कार्यकाल का अनुभव बताया। वेस्ट ज़ोन की सचिव अंजली तापडिया ने अंचल डिजीटल प्रभारी के दायित्व के बारे में अपना वक्तव्य रखा।
- सभी के शंकाओं का समाधान लताजी एवं विनीताजी ने किया।
- पूणे समिति की सचिव रचनाजी भूतडा ने सभी का धन्यवाद ज्ञापन किया।
- कल्याण मंत्र के साथ सभा का समापन ह्या।

१७ अप्रैल को सभी ने Wet n Joy Water Park में मजे लिए एवं १८ की सुबह नारायणी धाम में सभी ने मंगल आरती की तथा शाम को संगीतमय अंताक्षरी का आनंद लिया।

इस प्रकार उत्साह एवं उमंग के साथ इस सार्थक बैठक का समापन हुआ।



SMT SHALINI GARG



शबरी बस्ती:

वनबंधु परिषद आगरा महिला समिति ने १४ अप्रैल को शबरी बस्ती के ६० बच्चों को स्वच्छता और बैड टच गुड टच के बारे में बताया। बच्चों को लेखन तथा चित्रकला सामग्री उपहार में देकर साथ में नाश्ते का सामान भी दिया।

ओम के उच्चारण और गायत्री मंत्र से बच्चों ने इस कार्यक्रम को आरंभ किया। इस आयोजन में समिति के साथ वनबंधु सखी संगम की १८ महिलाएं भी उपस्थित थीं

प्याऊ:

आगरा महिला समिति ने २७ अप्रैल को कमला नगर में मीठे पानी की प्याऊ का शुभारंभ किया, जिसमें राहगीरों को शरबत पिलाया गया। एक नई सदस्य भी जुड़ीं।



वार्षिक साधारण सभा(AGM):

१६ मई को वार्षिक साधारण सभा में नॉर्थ जोन अध्यक्ष प्रीती जी बाहेती और सचिव संगीताजी गुप्ता जयपुर से पधारीं। आगरा चैप्टर के पदाधिकारी भी उपस्थित थे। छोटे बच्चों ने गणेश वंदना, सरस्वती वंदना से स्वागत किया। नई कार्यकारिणी समिति का गठन हुआ। इस

नई कार्यकारिणी समिति का गठन हुआ। इर बैठक में ६० महिलाओं की भागीदारी रही।

गन्ने के रस का ठेला:

वन बंधु महिला समिति आगरा ने ३० मई को मुख्य मार्ग के सामने गन्ने के रस की ठेला लगवाया जिसमें लोगों को गन्ने का रस पिलाया और वन बंधु परिषद के मुख्य उद्देश्य के बारे में उन्हें सटीक जानकरी दी।



SMT TULIKA BHADADA

वार्षिक साधारण सभा(AGM):

वनबंधु परिषद दिल्ली महिला समिति की वार्षिक साधारण सभा ५ अप्रैल को ओखला ऑफिस में ३१ सदस्यों की उपस्थिति में सम्पन्न हुई। अध्यक्ष रेणुजी करवा ने नव निर्वाचित अध्यक्ष जमुनाजी बाँगर एवं सचिव वीनाजी काबरा ने आगामी सचिव राजश्रीजी मोहता को बैज लगाकर कार्यभार सौंपा।



कार्यसमिति बैठक:

दिल्ली समिति की पहली कार्यसमिति बैठक १४ अप्रैल शाम ४ बजे जूम पर हुई, जिसमे नयी कार्यकारिणी की घोषणा, कार्यनिर्देश, वार्षिक कैलेंडर आदि पर चर्चा एवं वर्ष भर चलने वाले कार्यक्रम 'सबसे बड़ा सुख निरोगी काया' की रुपरेखा तय की गई।

पहली जनरल मीटिंग:

पहली जनरल मीटिंग २७ अप्रैल को २७ सदस्यों की उपस्थित में हुई। नये सदस्यों के परिचय के बाद रेणु जी करवा ने एकल की संस्थापक सदस्य एवं एकल प्रयास की संपादक मंजुजी श्रीवास्तव का परिचय दिया व सम्मान किया। मंजुदीदी ने 'एकल को जानो' के अन्तर्गत एकल के इतिहास एवं वर्तमान कार्यप्रणाली पर विस्तृत जानकारी दी। नये सदस्यों को सेवा पात्र दियं यो। 'सखी संगम' की रूपरेखा तय की गई। धन्यवाद ज्ञापन एवं शांतिमंत्र के पश्चात स्वादिष्ट भोजन का आनंद २७ सदस्यों ने उठाया।



विशेष उपलब्धियां:

नये सत्र के दौरान ४ विद्यालय का सहयोग मिला एवं समिति सदस्यों की संख्या में दोहरी वृद्धि हुई।

SMT SANGEETA GUPTA

वार्षिक साधारण सभा एवं नई समिति का पदभार ग्रहण:



वनबंधु परिषद जयपुर महिला समिति की वार्षिक साधारण सभा एवं नई समिति का पदभार ग्रहण १५ अप्रैल को संपन्न हुआ। दीप प्रज्वलन व समिति सदस्यों द्वारा गणेश वंदना पर नृत्य करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। एक स्वर में सबने एक साथ एकल गीत गाया। अध्यक्ष श्रीमती सविता कोठारी ने स्वागत भाषण दिया एवं वर्ष २०२१-२०२३ में उत्कृष्ट कार्य करने वाले समिति के सदस्यों को सम्मानित किया जिसे पीपीटी द्वारा दिखाया गया।

सचिव श्रीमती शीला जी तांबी ने इस सत्र की रिपोर्ट पीपीटी द्वारा दिखाकर पढ़ी। अध्यक्ष सविता कोठारी ने अपने कार्यकाल के सदस्यों के कार्यों की प्रशंसा कर धन्यवाद दिया एवं नवनिर्वाचित अध्यक्ष मधुजी लोईवाल को पिन पहनाकर उनका स्वागत किया।

सचिव शीला जी ने नवनिर्वाचित सचिव मीना खंडेलवाल को पिन पहनाकर स्वागत किया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष मधु जी लोईवाल ने वर्ष २३-२५ की टीम की घोषणा की और सभी को मंच पर बुलाकर स्वीकृति उद्बोधन दिया। इस कार्यक्रम में चैप्टर के कोर कमेटी सदस्यों को भी आमंत्रित किया गया था। करीब ७० सदस्य कार्यक्रम में मौजूद थे। इस कार्यक्रम के दौरान दो विद्यालय भी प्राप्त हुए।

चैप्टर अध्यक्ष श्रीमान ज्योति माहेश्वरी ने महिला समिति के कार्यो की भूरी भूरी प्रशंसा की।



सखी संगम में एक्यूप्रेशर का प्रात्यक्षिक:

१७ अग्रैल को जयपुर महिला सिमिति के सखी संगम में सभी सदस्यों ने तम्बोला का आनन्द लिया। मेजबान व वक्ता सन्तोष जी राठौर द्वारा एक्यूप्रेशर के माध्यम से शरीर में होने वाले दर्द को समाप्त करने हेतु एवं अनिंद्रा की बीमारी से छुटकारा पाने हेतु बहुत ही लाभ दायक जानकारी प्रदान की गई एवं मधुमेह और रक्तचाप आदि का एक्यूप्रेशर का प्रात्यक्षिक भी दिया गया। मेजबान द्वारा नवनियुक्त अध्यक्ष मधु जी लोईवाल एवं सचिव मीना जी खंडेलवाल को उपहार देकर स्वागत किया गया।

अनु रावत ने वक्ता सन्तोष जी राठौर का उपहार देकर स्वागत किया गया। संतोषजी ने भी एक्युप्रेशर की अंगूठी सभी सदस्यों को उपहार में दी।

सविता जी कोठरी एवं मधु जी लोईवाल द्वारा दिनांक २१ अप्रैल को सेंट्रल पार्क मे पक्षियों के लिए दाना- पानी की व्यवधा हेतु किये जाने वाले कार्यक्रम की जानकारी दी गई। इस मीटिंग में सखी संगम समूह के १५ सदस्यों ने वनबंधु परिषद की सदस्यता ग्रहण की। अन्त में सभी ने स्वादिष्ट अल्पाहार का आनन्द लिया।

सेन्ट्रल पार्क में चिड़ियों के दाना-पानी की व्यवस्था:





दिनांक २१ अप्रैल २०२३ को सुबह साडेसात बजे जयपुर महिला सिमति द्वारा राजस्थान पत्रिका के साथ सेन्ट्रल पार्क में चिड़ियों के दाना-पानी की व्यवस्था हेतु पक्षी मित्र अभियान के तहत परिंडों का वितरण किया गया।

इस अवसर पर अध्यक्ष श्रीमती मधु लोईवाल ने इस अभियान के बारे में जानकारी दी तथा वनबन्धु परिषद के कार्यों के बारे में जानकारी एवं पशु पक्षियों का पर्यावरण संतुलित करने में क्या महत्व है इसकी जानकारी प्रदान की। इस अभियान के द्वारा सभी सदस्य अपने घरों में दाना-पानी की व्यवस्था करेंगे।

प्रकल्प प्रमुख श्रीमती मोनिका कूलवाल ने मुख्य वक्ता श्रीमती बन्दना जैन का परिचय दिया। श्रीमती वन्दना जी जैन ने पशु पक्षियों की कैसे सेवा की जाये एवं उनके जीवन को कैसे बचाया जाये इस पर विस्तार से जानकारी प्रदान की। राजस्थान पत्रिका के श्री शैलेन्द्र जी शर्मा ने इस अभियान के बारे में जानकारी दी और सभी से आग्रह किया कि सभी लोग इस मुहिम में राजस्थान पत्रिका का सहयोग करें। उन्होंने परिंडों का वितरण करके पिक्षयों के लिये दाना-पानी की व्यवस्था करने हेतु प्रेरित किया।

सचिव श्रीमती मीना जी खण्डेलवाल ने उपस्थित सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया। गुरुकुल योग संस्थान के कार्यकर्ताओं को सुन्दर व्यवस्था करने हेतु आभार व्यक्त किया। श्रीमती मोनिका कूलवाल ने इस कार्यक्रम का आयोजन बहुत सुन्दर तरीके से किया एवं सभी के लिये चाय पानी की व्यवस्था की। इस अवसर पर नये सदस्य बने एवं १ विद्यालय हेतु धनराशि प्राप्त हुई। इस कार्यक्रम में ४० पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

विपश्यना के कार्यक्रम का आयोजन



जयपुर चैप्टर, महिला समिति एवं सत्यम् क्लब के संयुक्त तत्वाधान में ६ मई को इंद्रलोक सभागार में विपश्यना के कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारम्भ ब्रह्मनाद से गूंजित हुआ और सभागार ओम् मय हो गया । २५० सदस्यों की उपस्थिति में वंदन और अभिनंदन के साथ दीप-प्रज्वलन कर भारत माता को नमन किया गया। विपश्यना एक बहुत पुरातन ध्यान विधि है जो हमें तनाव मुक्त सुखी एवं स्वस्थ जीवन जीने की कला सिखाती है। इससे प्रेरित होकर हमने यह कार्यक्रम रखा। A Talk cum Workshop on: An Art of Stress Free Happy & Healthy life (तनाव-मुक्त सुखी एवं स्वस्थ्य जीवन जीने की कला) by: Dr. Subhash Sethi.

नॉर्थ जोन की अध्यक्ष एवं कार्यक्रम संयोजिका प्रीतीजी बाहेती ने स्वागत किया एवं अपने उद्घोधन में एकल की गतिविधियों के बारे में सदन में पधारे अतिथिगणों को विस्तार से बताया। जयपुर चैप्टर के संरक्षक श्रीमान विमल चन्दजी सुराणा जो कि स्वयं विपश्यना के मुख्य उपदेशक भी हैं, एवं पूर्व हाई कोर्ट न्यायाधीश श्री जैनेंद्रजी रांका ने विशिष्ट अतिथि को शॉल पहनाकर सम्मानित किया।

नॉर्थ जोन अध्यक्ष प्रीतीजी बाहेती एवम् पूर्व अध्यक्ष सविताजी कोठारी ने विशिष्ट अतिथि को भेंट स्वरूप राधा कृष्ण की तस्वीर दी। संस्था ने एकल के प्रचार प्रसार हेतु परदे पर वह वीडियो दिखाएं, जिसमें हमारे प्रधानमंत्री मोदीजी एवं अन्य एकल के ब्रांड एंबेसडर थे। इससे एकल का बहुत अच्छा प्रचार हुआ और जिसके फलस्वरूप ५ स्कूलों का अनुदान मिला एवं ७ नए सदस्य संस्था से जुड़े।

बाहर काउंटर पर समिति ने एकल के प्रचार प्रसार की सामग्री, प्रपत्र एवं एकल विद्यालय तथा दानदाताओं के नाम की सूची रखी और महिला समिति के कार्यक्रमों का फलक भी लगाया था। अंत में समिति की पूर्व अध्यक्ष सविताजी कोठारी एवं कार्यक्रम संयोजक दिनेशजी मालपानी ने धन्यवाद जापन किया तथा सभी का आभार प्रकट किया।



Jaipur Mahila Samiti

साइबर क्राइम से बचाव पर विशेष पर चर्चा:

वनबंधु परिषद् जयपुर महिला समिति के सखी संगम गुट द्वारा दिनांक १६ मई को जय क्लब में साइबर क्राइम से बचाव एवं सावधानियों पर विशेष पर चर्चा रखी गई।

श्रीमती संगीताजी चांडक ने मुख्य वक्ता साइबरऑप्स के संस्थापक और सीईओ श्रीमान मुकेशजी चौधरी का परिचय दिया जो गत १३ वर्षों से अपने डोमेन एक्सपर्टीज के साथ कानून प्रवर्तन संस्थाओं की मदद कर रहे हैं। इन्होने विभिन्न राज्यों के सैन्य इंटेलिजेंस, इंटेलिजेंस ब्यूरो और राज्य इंटेलिजेंस सहित खुफिया एजेंसियों की मदद की है।

श्री मुकेशजी चौधरी ने बताया कि आधुनिक युग में सोश्यल मीडिया की जानकारी जितनी आवश्यक है उतना ही जरुरी है इनके प्रति सजग रहना।



उन्होंने अपने वक्तव्य में बताया की फेसबुक, इंस्टाग्राम, व्हाट्सॅप वीडियो कॉल्स, इमेल्स आदि का उपयोग करते हुए हमें अनावश्यक कॉल, मैसेज विडिओ कॉल पर अपनी जानकारी शेयर नहीं करनी चाहिये।

सरकार द्वारा बनाई गई कुछ साइट पर जाकर चैक किया जा सकता है की हमारा डाटा लीक हुआ है या नहीं एवं साइबर क्राइम होने पर हमें हेल्पलाइन नंबर १९३० एवं <u>www.cybercrime.gov.in</u> पर जाकर अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

बदलते परिवेश में जहा बच्चों के लिए मोबाइल एक आवश्यकता बन गई है वही माता -पिता उन पर कैसे सावधानी रख सकते है, दिन प्रति दिन की आदतों से सजगता कैसे लाये, आदि के बारे में बताया गया। अंत में प्रश्न उत्तरी में श्रीमान मुकेशजी ने सभी प्रश्नों के उत्तर दिए।

कार्यक्रम संयोजक श्रीमती संगीताजी चांडक एवं श्रीमती रेनूजी नॉवल ने मुख्य वक्ता को भेंट देकर सम्मान किया। निवर्तमान अध्यक्षा श्रीमती सविताजी कोठरी ने सभी को धन्यवाद दिया एवं श्रीमान पुष्पेंद्रजी चौधरी का भी आभार व्यक्त किया , जिन्होंने इस कार्यक्रम हेत् सहयोग दिया। स्वादिष्ट भोजन एवं मनोरंजन के लिए हाउजी खेल भी रखा गया।

SMT SHILPA PARASRAMPURIA

IVD सेंटर की मुलाकात



अहमदाबाद महिला समिति दिनांक २९ अप्रैल को प्रथम IVD सेंटर देखने के लिए गए। वहां सभी आचार्यों से मिलकर बहुत अच्छा लगा। सभी आचार्यों को भारत माता व सरस्वती माता के चित्र भेंट स्वरूप दिए गए।

सर्वेप्रथम सिलाई केंद्र देखने गए, जहां हमने अनुभव किया कि सभी के मन में सिलाई सीखकर आत्मनिर्भर बनने की प्रबल इच्छा है।

वहीं कम्प्यूटर सेंटर में भी बच्चों का काफ़ी उत्साह था। अनेक युवा प्रशिक्षण ले रहे थे। हमें बहुत गर्व का अनुभव हुआ जब हमें पता चला कि हमारे कंप्यटर सेंटर के ६ बच्चों को अहमदाबाद में काम मिला है।

समिति द्वारा स्थापित बच्चों की लाइब्रेरी का भी हमने अवलोकन किया और पता चला कि बच्चे काफ़ी खुश हैं और लाइब्रेरी का लाभ उठा रहे हैं। बच्चों में काफी बदलाव भी नजर आ रहा था। तत्पश्चात सभी ने साथ में योगासन व प्राणायाम का भी आनंद उठाया।

इस मीटिंग में ५५ आचार्यों की उपस्थिति थी। इस वनयात्रा में अहमदाबाद चैप्टर सचिव श्रीमान विजय जी शाह, श्रीमान मनोज भाई व सह वन यात्रा प्रभारी श्रीमती मंजुँ जी त्यागी शामिल थे।

वार्षिक साधारण सभा (AGM) एवं दानदाता सम्मान समारोह विवरण:

अहमदाबाद चैप्टर द्वारा दिनांक १३ मई २०२३ के दिन AGM एवं दानदाता सम्मान समारोह का आयोजन AMA के प्रांगण में किया गया। कार्यक्रम के उद्घाटक व मुख्य अतिथि वनबन्धु परिषद राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमान रमेशजी सरावगी रहे। साथ दिया सम्माननीय अतिथि वनबन्धु परिषद वेस्ट ज़ोन सचिव श्रीमान राजकुमारजी अग्रवाल तथा वनबन्धु परिषद वेस्ट ज़ोन उपाध्यक्ष श्रीमान श्यामजी गर्ग ने।

हिम्मतनगर अंचल के एकल विद्यालय से पधारी बालिकाओं द्वारा "एकल है पहचान हमारी" नृत्य प्रस्तुति बहुत ही सुंदर थी। चैप्टर व महिला समिति के कार्यों का विवरण PPT वीडियो के माध्यम से किया।

चैप्टर अध्यक्ष श्री विनोदजी बाज़ोरिया ने स्वागतीय उद्बोधन द्वारा सभी का स्वागत किया। सभी अतिथियों का एकल दुपट्टा व स्मृति चिन्ह द्वारा सम्मान किया गया। चैप्टर संरक्षक श्री अनिलजी सोमानी ने अपनी शुभकामना प्रेषित की। श्रीमान श्यामजी गर्ग एवं श्रीमान राजकुमारजी अग्रवाल ने अपनी शुभकामनाओं के साथ एकल में कैसे प्रगति की जाये पर भी रोशनी डाली।

माननीय मुख्य अतिथि का परिचय महिला समिति की निवर्तमान अध्यक्ष श्रीमती सुशीलाजी माहेश्वरी ने दिया। श्रीमान रमेशजी सरावगी साहेब ने अपने उद्घोधन द्वारा एकल के बारे में बहुत ही सुंदर मार्गदर्शन दिया। साथ ही उन्होंने अपने अंचल प्रवास के अनुभव भी सबसे साझा किये। वो अहमदाबाद चैप्टर की प्रगति से काफ़ी प्रसन्न थे। कार्यकारी अध्यक्ष चैप्टर श्रीमती उर्मिला कलंत्री ने सभी दानदाताओं से परिचय करवाया और सम्मानीय अतिथियों द्वारा दानदाताओं का सम्मान एकल दुपट्टा ओढ़ाकर एवं सम्मान पत्र प्रदान कर किया गया। सभी आये मेहमानों का आभार प्रदर्शित चैप्टर सचिव श्री विजयजी शाह द्वारा किया गया।

चैप्टर व महिला समिति की पूरी टीम का यह सामूहिक प्रयास था, जिस कारण इतना सफल कार्यक्रम हो पाया।





SMT ANUPAMA SHARMA

भजन संध्या:



भोपाल महिला समिति द्वारा दिनांक ३ अप्रैल को नवरात्रि के अवसर पर भजन संध्या का आयोजन किया गया जिसमें समिति की सभी बहनें विशेष पोशाक में उपस्थित हुईं। माता के भजनों पर सभी ने नृत्य एवं गरबा कर कार्यक्रम को आनंदमय कर दिया। इस कार्यक्रम में पिछले वर्ष जिन बहनों द्वारा स्कूल गोद लिए गये थे, उन्हें सम्मानित किया गया। साथ ही डिजिटल प्रभारियों का परिचय देकर उनके कार्यों की प्रशंसा की।

<mark>माउंटेनीयर ज्योति रात्रे का माउंट एवरेस्ट</mark> अभियान:





भोपाल महिला समिति के लिए गर्व का विषय है कि हमारी ज्वाइंट सेक्रेट्री, माउंटेनीयर ज्योति रात्रे ३१ मार्च २०२३ को माउंट एवरेस्ट अभियान के लिए भोपाल से काठमांडू के लिए रवाना हुईं। लगभग २ महीने पश्चात दिनांक २९ मई को जब वे भोपाल वापस लौटीं तो उन्होंने अपना अनुभव साझा किया जो कि बहुत ही रोचक है।

कैम्प ४ पर पहुंचने के बाद जब वे माउंट एवरेस्ट समिट (Summit)के लिए २२ मई को शाम ४ बजे निकली, तब अचानक बादलों के आ जाने से चारों ओर सफ़ेदी छा गयी। ऐसे में आगे बढ़ना असम्भव हो जाने के कारण अपने शेरपा की सहायता से वापस कैम्प ४ में लौट आई। तभी शेरपा को जानकारी मिली की उनकी टीम के एक अन्य सदस्य जो २२ तारीख़ को दिन में समिट कर चुके थे, उनकी कोई खबर नहीं मिल रही है, तब ज्योति रात्रे जी ने स्वयं कैम्प ४ पर रुकते हुए अपने शेरपा को उन्हें ढूँढ कर लाने एवं उनका रोक्य करने के लिए भेज दिया। हालांकि कैंप ४ पर भी उस समय रुकना खतरे से खाली नहीं था, लेकिन उनके इस निस्वार्थ निर्णय से उस सदस्य की जान बच सकी। ऐसे कठिन समय में स्वयं खतरा मोल लेकर दूसरे की जान बचाने के लिए लिया गया उनका यह बहादरी पूर्ण निर्णय मानवीय संवेदना की अभूतपूर्व मिसाल है।

ज्योति रात्रे कैम्प ४ के आगे लगभग ८२०० मीटर (२६९०० फीट) तक की चढ़ायी पूर्ण कर चुकी थी एवं माउंट एवरेस्ट शिखर जो की ८८४८ मीटर ऊँचा है, मात्र ६५० मीटर दूर था। इस अभियान में करीब १७ लोगों की जानें चली गई, लेकिन एक जान को बचाने का संतोष एवरेस्ट पर चढने से कम नहीं था।

ज्योति रात्रे विगत वर्षों में करोड़ों भारतीयों के लिए एक प्रेरणा के रूप में उभरी हैं। उन्होंने ४८ वर्ष की उम्र में पर्वतारोहण प्रारम्भ कर के अल्प समय में अनेक सफलताएँ प्राप्त कर यह साबित कर दिया है कि सपने देखने की कोई उम्र नहीं होती। यदि किसी लक्ष्य को पाने की ज़िंद है तो कड़ी मेहनत एवं दृढ़ इच्छाशक्ति के बल पर सब कुछ सम्भव है। ज्योति रात्रे ५४ वर्ष की हैं एवं विश्व के सात महाद्वीपों में से तीन यूरोप, अफ्रिका एवं दक्षिण अमेरिका की सबसे ऊँचें पर्वत शिखरों, क्रमशः माउंट एलब्रुस ५६४२ मीटर, माउंट किलमांजारो ५८९५ मीटर एवं इस वर्ष माउंट अक्कोंकगुआ (Mt. Aconcagua) ६९६१ मीटर पर इस वर्ष एकल का पंचम लहरा कर सभी का दिल जीत लिया है।

SMT MEENA GARG

सखीसंगम:



वनबंधु परिषद इंदौर महिला समिति द्वारा ४ मई को आयोजित सखी संगम मिलन 'मदर्स डे' थीम पर था। सभागृह की मदर्स डे अनुरूप बहुत ही सुंदर सजावट की गई। विचारधारा पर आधारित तम्बोला कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण था।

'एकल को जानो' के अन्तर्गत ४ दिन का अंचलों में प्रवास कर के आयीं निमता जी अग्रवाल के विद्यालयों की गुणवत्ता, अंचल, संच, ग्राम के साथ नगरवसियों के बीच एक मज़बूत सेतु का निर्माण कैसे किया जा सकता है, इस विषय पर अनुभव सुने जिससे बहुत मार्गदर्शन मिला।

इसके पश्चात् मदर्स डे पर आधारित अन्ताक्षरी गुट बनाकर ५ अलग अलग राउंड में कराई गई। ७ गुटों में विभाजित इस अन्ताक्षरी की निर्णायक विनीताजी जाजू व सरस्वतीजी माहेश्वरी थीं। विजेता टीम को समिति की सदस्य मीताजी संचेती द्वारा बनाये पेंटिंग के शाल दिए गए। मेल मिलाप के साथ सुस्वादु चाय नाश्ते का बहुत आनंद आया।

वनयात्रा-१:



बैसाख में सावन की झड़ी को देखते हुए समिति ने तुरंत ही २२ मई को वनयात्रा की योजना बनाई।

माधवीजी झंवर, मीनाजी गर्ग, गीताजी अग्रवाल, ज्योतिजी गर्ग, स्मिताजी तापड़िया, रिचाजी पटवर्धन सुबह ७.३० बजे रतलाम के लिए निकले। रतलाम के शिवगढ़ अंचल के ग्राम बामट में इंदौर महिला समिति, रतलाम से अंचल समिति और उनकी महिला समिति की बैठक हुई। विचार विमर्श भी हुआ।

अंचल प्रमुख, संच प्रमुख और पूरी अंचल टोली के साथ मिल कर बच्चों ने तिलक और पुष्प के साथ सब का स्वागत करा। ओम, गायत्री मंत्र, सुंदर कविताएं तथा पहाड़े भी सुनाए। प्रत्येक विद्यार्थी को कुछ सुनाने व बोलने का अवसर दिया गया। प्रारंभ में कुछ बच्चे झिझक रहे थे, परंतु सब को बोलता देख सभी उत्साहित हो गए। फिर तो जैसे झड़ी लग गई। कविता, पहाड़ा, कहानी, भजन, बच्चों ने बहत उत्साह से सभी प्रश्नों के उत्तर दिए। बच्चों ने खेल भी खेले।

व्यास कथाकार दींदी भी टोली के साथ थीं हारमोनियम ढोलक पर बच्चों के साथ सब ने मिल कर सुंदर भजन गाए। आचार्य व उनकी धर्मपत्नी और आचार्य के माता पिता तथा ग्राम प्रमुख का सम्मान किया गया। अंचल समिति द्वारा बनाये गये कंप्यूटर और सिलाई केंद्र का निरीक्षण किया गया। वहाँ के बालक बालिकायों को इस क्षेत्र में कैसे आगे बढ़ाया जाये तथा उसमें इंदौर महिला समिति भी कौशल विकास (Skill Development) पर क्या सहायता कर सकती है विचार विमर्श किया गया। इंदौर महिला समिति रतलाम का एक संच गोद लेना चाहती है। रतलाम अंचल महिला समिति की अध्यक्ष अर्चनाजी अग्रवाल व समिति, अंचल टोली व कार्यकर्ताओं के साथ इस विषय पर विचार विमर्श हुआ।

निर्णय लिया गया कि अगली वनयात्रा में एक रात्रि वहां रुका जाएगा। सब कुछ बारीकी से देखने, समझने से ही अधिक समझ आयेगा। तत्पश्चात सबने सुस्वाद ग्राम भोजन दाल पानी का आनंद लिया व इंदौर के लिए प्रस्थान किया ।

वनयात्रा-२:



कुछ अतिथि सखियों की एकल विद्यालय दर्शन की इच्छा को देखते हुए २३ मई इंदौर समिति ने रतलाम के रेवटी अंचल के ग्राम बीलडी में वनयात्रा आयोजित की।

अंचल प्रमुख, संच प्रमुख और पूरी अंचल टोली के साथ मिल कर बच्चो ने तिलक और पुष्प के साथ सब का स्वागत किया। बच्चों ने ऊँ, गायत्री मंत्र, भारतीय संस्कृति को दर्शाते हुए कुछ गीत, पहाड़े सुनाए, गणित के सवाल हल किए, अँग्रेजी में अपने नाम लिखे और कुछ खेल खेले। प्रत्येक बच्चे ने बहुत उत्साह से सभी प्रश्नों के उत्तर दिए।

अतिथि सिखयों के द्वारा बच्चों के उत्साह वर्धन कें लिए खेल खिलाए गए। हमारी सदस्य हिना केसवानी ने बच्चों को सेहत के लिए जरुरी खान-पान के बारे में बताया।

आचार्य व उनकी धर्म पत्नी और आचार्य की माताजी तथा ग्राम प्रमुख का सम्मान किया गया। अंचल समिति के पदाधिकारियों के साथ विचार विमर्श हुआ। यात्रा में शामिल ५ साखियों ने वनबंधु परिषद से जुड़ने की इच्छा जाहिर की। आम के पेड़ की छांव में, सुस्वाद ग्राम भोजन का आनंद लिया।

मई माह की गर्मी के बावजूद सभी सखियों ने वन यात्रा का आनंद लिया व इस प्रयास को सराहा।





Walkathon



१४ मई को इंदौर महिला समिति के ४२ सदस्यों ने मातृदिवस के उपलक्ष्य में कई संस्थाओं द्वारा मिल कर आयोजित 'चलो मम्मा walkathon' में भाग लिया।

३ किलोमीटर की walkathon नेहरू स्टेडियम से सुबह ६.३० पर आरम्भ हुई । कार्यक्रम में ३०० माँ और बेटियों ने एक साथ वाक करके एशिया वर्ल्ड रिकॉर्ड मे अपना नाम दर्ज करवाया है। समिति के सदस्यों ने शिक्षा के प्रचार के लिए आयोजित इस अनूठे प्रयास में उत्साह के साथ walk की व अपने कार्यों से अवगत कराकर कुछ नए सदस्य भी बनाये।



Heritage Walk:



३१ मई को इंदौर महारानी देवी अहिल्या माता के जन्मदिवस को गौरव उत्सव के रूप में मनाता है। इस पावन दिवस पर सखी संगम द्वारा आयोजन हेरिटिज वाक् में ४० साखियों ने भाग लिया। ७ बजे हमारी धरोहर राजबाड़ा के मुख्य द्वार पर एकत्रित होकर सभी ने सबसे पहले "बाँके बिहारी" मंदिर, गोपाल मंदिर दर्शन किए। यहाँ की वास्तुकला को देख सभी अचंभित हए।



इंदौर सिटी भास्कर 01-06-2023

समृद्ध इतिहास को जानने और उसके संरक्षण के लिए की हेरिटेज वॉक

manage sale



प्रितास को उसने बहुन के प्राचनी जात के समिति को सामने जात और सहार बहुता को में जुड़ी कार्तियों भी बाद कहा होता और सीत रामन ने बहुता किसमे हमारे समुद्रा किसमे मूर्ता अर्थ मीता में हुएत के साम भी सिटेश मीक का उदेशन पूर्व मार्गित रहा जा मार्क और सभी बहुत अहरती के रूप में यह किया भी हो अर्थाति क्रियात के जी हमार्की स्वास स्वास स्था

ज़बरेश्वर महादेव होते हुए सिमित ने मल्हारी मार्तंड मंदिर में प्रवेश किया। लगभग २०० वर्ष प्राचीन शिवालय को देख सभी मंत्रमुग्ध हो गए। होलकर क़ालीन संग्रहालय को देख मन प्रसन्नता से भर गया। माँ अहिल्या की स्तुति करते हुए सबने एकल गीत 'निर्माणो के पावन' को स्वर दिया। वार्ता में कुछ सिखयों ने रानी अहिल्या बाई की जीवनी पर प्रकाश डाला। मीनाजी गर्ग ने निर्भीक शासिका माँ अहिल्या की जीवनी व उनकी कार्यप्रणाली को बताया। आशाजी गर्ग ने माँ अहिल्या द्वारा महिलाओं के उत्थान में किए गए कार्य, महिलाओं को दिए गए रोजगार के अवसर का ज़िक्र किया। महेश्वर की साडी उद्योग उन्हीं की देन हैं।

डॉ. मंजु भंडारी ने माँ अहिल्या का प्रकृति से प्रेम ओर उससे होने वाले लाभ को बताया। आशा जी मालु ने देवी बताया कि उन्होंने सम्पूर्ण भारत में मंदिरो का जीर्णोद्धार करवाया तथा शिव मंदिरो का पुनः निर्माण किया। रानी माँ ने अनेक धार्मिक स्थलों पआर धर्मशालाएँ, बावड़ीयां, कुएँ आदि का निर्माण करवाया। विनीताजी जाजू ने कहा कि व्यक्ति प्रगतिशील, न्यायप्रिय, निष्पक्ष व परोपकारी हो तो सैकड़ों वर्षों के बाद भी पूजा जाता है। गीताजी मूंदड़ा ने देवी अहिल्या बाई के शासन में न्याय की प्रणाली को बताया उनके चरित्र पर प्रभाव डाला।

आभा जी राठी ने एक महत्वपूर्ण जनजाति से अवगत कराया। भारत सरकार ने देवी अहिल्या बाई के नाम से एक डाक टिकिट जारी क़िया। इसी के साथ सभी माँ अहिल्या को स्मरण करते रहे, भगवान सभी को उनके जीवन से कुछ सीखने की प्रेरणा दे, यही प्रार्थना है।

समिति अध्यक्ष माधवीजी ने सभी उपस्थितों से वनबन्धु परिषद के सदस्य बनने की विनती करी, सभी को अल्पाहार दिया गया। अंत में समता जी ने मधुर मुस्कान के साथ आभार एवं धन्यवाद दिया।



SMT SADHNA MUNDRA

वार्षिक साधारण सभा एवं नई समिति का पदभार ग्रहण:





मुम्बई महिला समिति की नए सत्र की पहली मीटिंग ११ अप्रैल को रखी गई, जिसमें नये पदाधिकारी नियुक्त हुए। श्रीमती सुषमा डागा ने अध्यक्ष व श्रीमती मनीषा डागा ने सेक्रेटरी का दायित्व सँभाला।

सभी आयाम के पदाधिकारी नियुक्त किए गये व सभी ने अपने कार्य की जिम्मेदारी ली। नई कमिटी नया जोश था व सभी ने रामनवमी व हनुमान जयंती बहुत उत्साह से मनाया।



कार्यकर्ताओं के साथ मीटिंग

समिति की द्वितीय मीटिंग सभी कार्यकर्ताओं के साथ रखी गई। मीटिंग में वार्षिक कैलेंडर बनाकर पूरे वर्ष के कार्यक्रमों की योजना बनाई गई।

मुख्य विषय था 'एकल को जानो' व अधिक से अधिक विद्यालय कार्यरत हो। एकल पर आधारित प्रश्नोत्तर पहेली बनाई गई, ताकि सभी एकल को पूरी तरह से जान सके।



SMT SUNITA NAWANDAR

स्कूलके विद्यार्थी और अध्यापिकाओंके साथवन यात्राः



नागपुर के प्रतिष्ठित स्कूल भारतीय विद्या भवन के ४० विद्यार्थी और ४ अध्यापिकाओं के साथ ७ फरवरी को समिति की ५ सदस्याओं ने गोंदिया अंचल के डव्वा संच में वनयात्रा की। गांव में परंपरागत रूप से लेजिम और ढोल के साथ स्वागत हुआ।

इस संच में एकल विद्यालय भारतीय विद्या भवन स्कूल ने ही गोद लिया हुआ है। सभी बच्चों ने गांव में एकल के बच्चों के साथ खेल खेले, योगा किया, भजन सुनाए और बच्चों को अध्ययन सामग्री वितरित की। बच्चों और अध्यापिकाओं ने पंगत में बैठकर स्वादिष्ट भोजन का आनंद लिया। यह गांव और शहर के बच्चों के बीच सामंजस्य का आदर्श दृश्य था।

वितरण:



महिला समिति नागपुर की पूर्व अध्यक्ष तथा संरक्षिका उर्मिलाजी अग्रवाल (डायरेक्टर प्लास्टो ग्रुप) ने स्वर्गीय आर.सी. अग्रवालजी की पुण्यतिथि पर राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज कैंसर हॉस्पिटल में मरीजों को आम, फल और जूस इत्यादि का वितरण किया। गरीब मरीजों को इससे लाभ हआ।

महिला सिमिति की ओर से मई में 'जल ही जीवन है' की श्रृंखला में गोंदिया अंचल के संच चिचवड गांव के कावलेवड़ा, कोसंबी खुर्द और ढिवरीनटोला गांव में सभी ग्रामवासियों के घरों में जाकर मिट्टी के घड़े ढक्कन सहित वितरित किए गये।

करीब ३१० मटके वितरित किए गए और गांव में मटके पहुंचाने का खर्चा भी दिया गया।

नागपुर समिति की पूर्व अध्यक्ष श्रीमती मणि गोयनका और गोंदिया अंचल के सभी कार्यकर्ता भाई बहनों के सहयोग से यह कार्य पूर्ण हो सका।

जल ही जीवन:



वेस्ट जोन की जोनल मीटिंग का आयोजन:





दिनांक १७ एवं १८ अप्रैल को वेस्ट ज़ोन की ज़ोनल मीटिंग का आयोजन लोनावाला के पावन नारायणीधाम में किया गया। मीटिंग के आयोजन की ज़िम्मेदारी पुणे महिला समिति को दी गई थी। मीटिंग में लगभग १० समितियों एवं सह समितियों से लगभग ६५ इस सदस्यों का आगमन हुआ।

पूने महिला द्वारा राष्ट्रीय महिला समितें के पदाधिकारियों का स्वागत और सम्मान महाराष्ट्र की विशेषता पैठणी के दुप्पटे उढाकर, किया गया। पुणे समिति के सभी सदस्यों ने तन मन धन से अपना सहयोग दिया। सभी के ट्रैवलिंग आइटेनरी की व्यवस्था सचिव रचना भूतड़ा ने सँभाली। इस कार्यक्रम का संचालन कोषाध्यक्ष नेहा लद्धड़ ने अत्यंत ही प्रभावशाली एवं मनोरंजक शैली में करते हुए सभी को बाँधे रखा। मीटिंग हॉल एवं पूरे दिन के कार्यक्रम का सारा ख़र्च वहन कर उपाध्यक्ष व एकल शक्ति संपादक शोभनाजी परांजपे ने उदारता का परिचय दिया। साथ ही राष्ट्रीय महिला समिति अध्यक्ष, सचिव व अन्य पदाधिकारी, प्रमुख अतिथी तथा सभी समितयों की PPTयों का संकलन एवम् बैठक के दौरान उस का सादरीकरण भी शोभनाजी ने सहजतासे किया। चाय स्टॉल की सभी ज़िम्मेदारी अनुराधा जी एवं मृदुला जी राठी तथा लताजी धूत ने बड़े ही चाव से सँभाली। सभी के आगमन पर कमरों की व्यवस्था एवं ट्रैवल डेस्क की व्यवस्था सुनंदा जी पालकर, मीराजी पुंडे, वृंदा जोशी एवं पूनम काबरा ने सँभाली। वॉटर पार्क की मौज मस्ती का सारा प्रबंध पूर्व अध्यक्ष अंजली जी तापडिया ने किया।

१८ तारीख की शामको एकल सदस्य वंदना बिहानी द्वारा अत्यंत ही मनोरंजक ढंग से अन्ताक्षरी खिलाई गई, जिसको सभी ने बहुत ही पसंद किया। वंदनाजी बियानी द्वारा प्रस्तुत अंताक्षरी के आयोजन व सादरीकरण की जिम्मेदारी अध्यक्ष अर्चनाजी बेहेडे ने संभाली। सभी के लिए उपहार अरुणा लाहोटी द्वारा लिए गए। रूम में दिए गए ट्रैवल किट एवं अन्य छोटी मोटी चीज़ों की ज़िम्मेदारी श्वेता मालपानी, आरती काबरा, सुनंदा काबरा ने ली। सभी सदस्यों ने मेज़बानी का बहुत ही आनंद लिया एवं सभी ने आयोजन की तैयारियों की बहुत प्रशंसा की।

दिनांक २७ मई २०२३ को वनबन्धु परिषद पुणे महिला सिमित की वार्षिक साधारण सभा, पुणे चैप्टर के साथ, चैप्टर अध्यक्ष श्री वसंत जी राठी के फ़ार्म हाउस पर संपन्न हुई, जिसमें युवा सिमित का भी सहभाग रहा। चैप्टर अध्यक्ष एवं युवा सिमित अध्यक्ष के उद्घोधन के पश्चात् महिला सिमित अध्यक्ष अर्चना बेहेड़े द्वारा वर्ष २०२२-२३ में आयोजित किए गए सभी कांक्रमों का विवरण दिया गया तथा सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि कुछ नए पदाधिकारी महिला सिमित में और जोड़े जाएं पर बाक़ी सिमित जो वर्तमान में है वही रहे।

वार्षिक साधारण सभाः



Media Prabhar SMT ANITA JAIN

एकलस्टाल:



वनबंधु परिषद बेंगलुरु महिला समिति की नई कार्य समिति ने अपने कार्यसत्र का पहला कार्यक्रम २८ अप्रैल को "Tie the Knot Wedding Festival" नामक प्रदर्शनी में एक स्टाल लगाकर किया।

समिति की सह प्रदर्शनी प्रभारी श्रध्दा दधीच ने मुफ्त स्टाल देकर समिति का उत्साह बढ़ाया।

प्रदेशनी में एकल सामग्री जैसे नारियल व सरसों का तेल, एकल हल्दी, धूप, हींग इत्यादि के अलावा घर की बनी हुई मसाला मुड़ी, समोसे, वड़ा-पाव आदि की बिक्री की गयी। समिति के १० से अधिक सदस्यों ने अलग-अलग समय पर स्टाल को सम्भाल कर अपना भरपुर सहयोग दिया।

प्रदर्शनी का मुख्य उद्देश्य एकल का प्रचार प्रसार और धन एकत्रित करना था। दो नए सदस्य भी जुड़े।

Fun with Indian traditional Games:



On 20th May'23, FTS Mahila Samiti Bangalore put up a stall of 'Fun with Indian traditional Games' in a Children's Carnival. The main purpose was not only to spread awareness about Ekal but also to attract today's young children to enjoy the traditional games & withdraw from digital games. The grown-ups were also excited to play these games, as they were reminded of their own childhood. They were inspired to play these games with the family. A few popular games were Gilli-danda, Gatte, Ashtachangpa and Brahma tower.

This idea of non-digital gadget games, was brought up and organised by Media Prabhari Anita Jain. She also explained about various skills that can be developed by playing these traditional games. Our Sah exhibition Prabhari, who is also an event manager by profession provided this stall for free to the Samiti. During this event one new member joined the Samiti.

एकपात्री नाट्य 'सीता':





वनबंधु परिषद बेंगलुरु महिला समिति ने २४ मई को रोटरी हॉल में 'सीता' नामक हिंदी एकपात्री नाट्य का प्रथम दिन का प्रसारण आयोजित किया। कार्यक्रम की शुरुआत ब्रह्मनाद व दीप प्रज्वलित कर की गई। अध्यक्ष श्रीमती बबीताजी अग्रवाल ने स्वागत भाषण में सभी का अभिनंदन किया। एक जानकारीपूर्ण एकल वीडियो के माध्यम से एकल की गतिविधियों को दर्शकों के साथ साझा किया गया।

<mark>बैंगलोर महिला समिति द्वारा ८ जुलाई</mark> को होने वाली प्रदर्शनी के विज्ञापन का अनावरण किया गया।

<mark>बैंगलोर की सुप्रसिद्ध क</mark>लाकार अंजना चांडक ने 'सीता की कहानी' को उनके आंतरिक दृष्टि<mark>कोण के माध्यम से एक</mark> शक्तिशाली और प्रभावशाली तरीके से चित्रित किया।

सीता की असंख्य अभिव्यक्तियाँ हैं जो उनकी छवि को आस्थावान और आज्ञाकारी पत्नी के रूप में चित्रित करती हैं। परंतु सीता महिला सशक्तिकरण की पहली रूपक थी, जो मजबूत थीं और गुण और मूल्य दोनों रखती थीं।

माता सीता के नाटक में किए गये चारित्रिक चित्रण ने उपस्थित १८० दर्शकों के दिलों को छू लिया, जो एक घंटे तक निशब्द होकर उन्हें सुन रहे थे।

साउथ जोन चेयरपर्सन सरिताजी भंसाली और सिमिति सलाहकार सुशीलाजी गुप्ता ने अंजना जी को एक स्मृतिचिन्ह और सुंदर बंधेज का दुपट्टा प्रदान कर और दर्शकों ने खड़े होकर ताली बजाकर उनका सम्मान किया। सिमित सिचव बीना अग्रवाल द्वारा धन्यवाद ज्ञापन दिया गया। कल्याण मंत्र के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। स्वादिष्ट चाय नाश्ते के दौरान कई लोगों ने कार्यक्रम के बारे में अपने विचार, प्रतिक्रिया और अनुभव साझा किए। नये लोगों ने एकल से जुड़ने की इच्छा जताई और 'सीता की कहानी' को नई पीढ़ी में संस्कार जागरण करने का अच्छा तरीका बताया।



SMT BINA MAHESHWARI

पदग्रहण कार्यक्रम:





वचेन्नई महिला समिति का पदग्रहण कार्यक्रम १० अप्रैल को बहुत सुचारू रुप से सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का आरंभ ब्रह्मनाद व एकल गीत से हुआ। अध्यक्ष श्रीमती साधना मीमानी ने सभी सदस्यों का स्वागत अपने उद्घोधन में किया। सचिव श्रीमती शालिनी मित्तल ने पिछली मीटिंग के मिनिटस पढे जो सर्वसम्मति से स्वीकृत हये।

नई समिति का चयन Shark Tank की Theme पर रखा गया। समिति के तीन Shark श्रीमती लताजी मालपानी (राष्ट्रीय अध्यक्ष), श्रीमती नीमाजी जैन (राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष), श्रीमती विमलाजी दम्माणी (राष्ट्रीय सह संगठन सचिव) ने उपस्थित होकर नयी टीम का गठन व मार्गदर्शन किया।

समिति की घोषणा के बाद अध्यक्ष वीणाजी झँवर ने अपना पदभार संभालकर सदन को स्वीकृति संबोधन दिया।

नव निर्वाचित टीम का तिलक तथा बैज लगा कर स्वागत किया गया। अंत में सचिव पुष्पलता झंवर ने सभी बहनों का धन्यवाद दिया। बहनों ने स्वादिष्ट चाय और स्वादिष्ट नाश्ते का लुत्फ उठाया।

समिति की इस वर्ष के ध्येयवाक्य है 'अनेकता में एकता (Unity in Diversity)' एवं 'उतना ही लो थाली में, व्यर्थ न जाए नाली में'। सभा का समापन कल्याण मंत्र से हुआ।



कार्यसमिति बैठकः

प्रथम कार्यसमिति बैठक १५ मई को ब्रह्मनाद से आरंभ हुई। अध्यक्ष श्रीमती वीणा झँवर ने सभी सदस्यों का स्वागत किया। जुलाई ७-८-९ को आयोजित प्रदर्शनी 'Festive Fiesta edition 2' की रूपरेखा तैयार की गई। दीपाली जी मोहता ने रांची कान्वेंट का सामान रखने का सुझाव दिया और अध्यक्ष वीणा झँवर ने सभी से स्टॉल व स्पॉन्सरशिप लाने का आग्रह किया।

राष्ट्रीय पदाधिकारियों ने भी सुझाव दिए, एवं Stall Owners से बात भी की। मुख्य अतिथि के लिए भी सदस्यों ने विभिन्न सुझाव दिए। अधिक मास में जो पूजा होगी, रुद्राभिषेक होगा, उसके बारे में श्रीमती कृष्णाजी भैय्या से चर्चा हुई। पूरे वर्ष के कार्यक्रम के विषय में भी बातचीत व सुझाव आए।

Mothers' day:

Mother's Day के अवसर पर २३ मई से समिति द्वारा तीन दिन तक व्हाट्सएप पर मां एवं बच्चों के साथ फिल्माए गए गीत, संवाद, एवं उनके किए हुए किरदारों पर एक वीडियो प्रश्नोत्तरी खेली गई, जिसमें सबने उत्साह से भाग लिया। यह वीडियो सरिता फोमरा द्वारा प्रसारित हुआ। विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

SMT SASHI SARAF

वार्षिक साधरण सभा :



वनबंधु परिषद इरोड महिला समिति की वार्षिक साधरण सभा का आयोजन १७ अप्रैल को किया गया। इरोड चैप्टर के अध्यक्ष और सचिव भी आमंत्रित थे।

ओंकार और सरस्वती वंदना के साथ कार्यक्रम शुरू किया गया।

अध्यक्ष श्रीमती मधुलिका जाजू ने स्वागत भाषण दिया और सभी पद धारको ने अपने आयाम की रिपोर्ट दी। अध्यक्ष श्रीमती मधुलिका जाजू ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्रीमती सीमा जैन को बैज लगाकर कार्यभार सौपा। अध्यक्ष श्रीमती सीमा जैन ने पदभार संभलकर सदन को संबोधित किया। मनोरंजक तंबोला खिलाया गया. अल्पाहार के साथ सभा समाप्त की गई।

गुब्बारे बनानेकी ऑनलाइन कार्यशाला:



इरोड महिला समिति ने १६ अप्रैल को गुब्बारे बनानेकी एक ऑनलाइन कार्यशाला करवाई। मिसेज रिनू जालान ने गुब्बारों से सुंदर गुलदस्ता बनाना सिखाया। कार्यक्रम में करीब ५० महिलाओं ने भाग लिया।



SMT MAHESHWARI MURALIDHARAN

वार्षिक साधरण सभा :





On 28th and 29th April, Kochi Mahila Samiti organised a Vanyatra to visit all Acharyas and Karyakarthas and to form Sah Samiti at Calicut. 17 members from Kochi Mahila samiti, 3 members from Kochi chapter, Shri. Ashish Gupta, senior officer in HR and Admin department from Petronet LNG; our CSR donor, went for the Vanyatra.

On day one after a 7 hour journey from Kochi via Calicut, we reached a community hall at Wayanad. 56 Ekal Vidyalaya students who had assembled from various villages of Waynad Sanch welcomed everyone with tilak and fresh flowers. The program started with Brahmanaad, lighting of the Lamp, chanting of Gayatri Mantra and Saraswati Vandana. We felicitated the 64 Acharyas and 12 Karyakartas that were present. All of them were given the opportunity for self-introduction and were honoured with personalised name and photo engraved mementos. It was a visual treat to see all karyakartas and Acharyas in uniform sarees which was gifted to them by Kochi Mahila Samiti during Sankranti. Entertaining games were conducted for the children, Acharyas, Karyakarthas and prizes were distributed. Sweets and snacks brought by members also were distributed.

The Samiti then had a meeting at the Karyalaya and discussed about the tailoring unit and Kutir Udyog proposals like making of paper bags, plates and cups out of dry leaves. Assurance was given for support and guidance by the Samiti.

On day 2, the Samiti visited the Ekal Vidyalaya at Chempatti village where they saw how the activities conducted in the Ekal class room. All the 21 students were introduced by Acharya Smt. Anita. After Brahmanad & Gayatri Mantra, Children recited patriotic songs and folk songs. We were delighted to see Folk dance performance by the local folks. In the evening we went back to Calicut.

SMT SHASHI SARAF

Formation of Sah Samiti of Kochi Mahila Samiti at Calicut:



On 29th April Mahila Samiti meeting was conducted at Smt. Veena Saboo's residential society room, which was attended by 21 members from Kochi and 12 members from Calicut.

President Smt. Veenaji Saboo, secretary Smt. Sanjuji Bafna, treasurer, Smt. Bhagvatiji, and the other new members introduced themselves. all the new members filled registration forms and were presented Mahila Samiti badges.

Smt. Renuii. President of Kochi Mahila Samiti welcomed the gathering. briefed about the guidelines of the formation and working of Sah Samiti. She then introduced the Chief Guest. Smt. Saritaji Bhansali, Chairperson of South Zone of RMS and thanked her for taking out time specially to attend this meeting and to encourage, motivate and share her experiences about Ekal. Kochi Chapter's Vice President Shri. N. Rajagopal Pai briefed everyone about the success stories of Kochi Mahila Samiti and motivated members of Calicut to grow and strengthen their newly formed Sah Samiti.

Sri. Alok ji Saboo, President of FTS - Calicut also spoke a few words about Ekal and said that it is a need of the hour to protect diminishing Hinduism especially in those belts which are endangered with conversions. The members also shared their experiences of Vanyatra.

Formation of Calicut Sah Samiti was a proud moment for Kochi Mahila Samiti. Smt. Sudha. Secretary of Kochi Mahila Samiti gaye the vote of thanks.





SMT ANURADHA AGARWALA

प्रदर्शनी:



धनबाद महिला समिति की बहनों ने १४ अप्रैल २०२३ ग्रामोत्थान की जैविक हल्दी के प्रचार प्रसार हेतु 'एकल फ्यूचर' के उत्साही सदस्यों के साथ एक छोटी सी प्रदर्शनी लगाई। इस अवसर पर एकल रांची की एक अत्यंत अनुभवी सदस्या सुनीता महेंसिरया जी ने पधार कर समिति को अनुग्रहित किया। हल्दी के साथ साथ इसमें अन्य ग्रामीण उत्पाद जैसे, शहद, A2 गाय का घी, सरसों के तथा आचार भी शामिल किए गए थे। ग्रामीण भाइयों के स्वावलंबन और विकास की ओर यह एक छोटा सा कटम है।

वन यात्राः



दिनांक ९ अप्रैल २०२३ को वन बंधु परिषद की धनबाद महिला समिति ने मारवाड़ी विकास ट्रस्ट के कुछ सदस्यों के साथ एक अनोखी वन यात्रा का आयोजन किया। ट्रस्ट के कई उत्साही सदस्य समिति की बहनों के साथ बलियापुर के एकल विद्यालय गए।

वहां के बच्चों ने सभी का बड़ी ही गर्मजोशी से स्वागत किया। उनके द्वारा प्रस्तुत किए गए नृत्य और गीत सबके मन को भा गए। कुछ सदस्यों ने उन्हें वैदिक मंत्र एवं गीत भी सिखाए। उन छोटे-छोटे बच्चों में अनुशासन देख सभी अचंभित रह गए। सभी बच्चों को टोपी, किताब, बही एवं खाद्य पदार्थ बांटे गए। इस वन यात्रा में सभी को बहुत आनंद आया तथा गांव के पीपल की ठंडी छांव में सब लोग सचमुच गर्मी को भूल गए। ग्रामीण बच्चों के साथ यूं कुछ समय बिताना बहुत ही सुखद अनुभव रहा।



डिज्नीलैंड मेले का भ्रमण:



वन बंधु परिषद धनबाद महिला समिति ने विगत २६ मई, २०२३ को एक अनूठे कार्यक्रम का आयोजन किया। इसके अंतर्गत भुइयाचितरो एवं पदूम चंद जैसे सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के एकल विद्यालयों से कुल २५ बच्चे, ४ आचार्य और २ कार्यकर्ताओं को धनबाद जिला परिषद मैदान में चल रहे डिज्नीलैंड मेले का भ्रमण करवाया गया।

वहां पहुंचते ही सभी बच्चों की आंखों में एक अद्भुत चमक दिखाई दी। उन्हें देखकर ऐसा लगा मानो उनका सपना पूरा हो गया हो।

बच्चों ने वहां ब्रेक डांस, कोलंबस जैसे विभिन्न प्रकार के झूलों का आनंद उठाया। ट्रामपॉलिन पर कूद कूद कर जैसे वे आसमान को छूना चाह रहे थे।

इतनी मस्ती करने के बाद फिर महिला समिति की उपस्थित बहनों ने बड़े प्यार से सभी को स्वादिष्ट चाट, इडली डोसा आदि खिलाएं। उन बच्चों के प्रफुल्लित चेहरों को देखकर सभी को असीम आनंद की अनुभृति हुई।

श्री श्याम जी का आगमन:



दिनांक २७ मई २०२३ को धनबाद में श्री श्याम जी का आगमन हुआ। वन बंधु परिषद, धनबाद की महिला समिति की ८ बहनों को उनसे मिलने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। धीरेंद्र पुरम् स्थित गौ ग्राम कार्यालय में श्याम जी के साथ बैठक संपन्न हुई जिसमें सदस्याओं के अलावा रविंद्र भैया, अमरेंद्र जी, आयुष जी, अंकित एवं रेनू जी भी उपस्थित थे।

हमेशा की ही भांति श्याम जी ने सब का मनोबल बढ़ाया तथा एकल हल्दी एवं एकल धूप जैसे ग्रामीण उत्पादों के प्रचार प्रसार के लिए सब को प्रोत्साहित किया ।

धनबाद में २५ से २७ नवंबर तक होने वाले विशाल आयोजन 'गौ ग्राम कुंभ' में भी पूरे उत्साह के साथ भाग लेने का निर्देश दिया। सभी बहनों का एक बार फिर श्याम जी ने पथ प्रदर्शन किया।

SMT NIVEDITA BERNWAL

दानदाताओं और डॉक्टर्स का सम्मान समारोह:



वन बंधु परिषद जमशेदपुर महिला समिति ने ३० अप्रैल को अपनी वार्षिक साधारण सभा का आयोजन किया। इसमें सभी दानदाताओं और उन डॉक्टर्स को आमंत्रित किया गया जिन्होंने एकल विद्यालयों में जा कर अपनी सेवाएं प्रदान की। सम्मान समारोह में तुलसी के पौधे और गिफ्ट देकर सभी को सम्मानित किया गया। सभी अतिथियों के लिए समिति द्वारा भोजन की व्यवस्था भी की गई थी।

सखी संगम योजना: समसामयिक उत्सवों का एक साथ मनाना:



जमशेदपुर महिला समिति की सखी संगम योजना बहुत ही अच्छी तरीके से कार्य कर रही है। इस स्नेहमिलन में सभी बहने बहुत ही रुचि लेती है। इसमें समिति बहुत ही संक्षिप्त रूप से अपने आगामी योजनाओं की चर्चा करती है। इसके अलावा सब मिलकर हर महीने अलग-अलग मनोरंजक गेम खेलते हैं, तंबोला खेलते हैं और सुखादु भोजन का आनंद लेते हैं। इसके साथ ही जो भी सामयिक त्योहार आते हैं, उसको भी सब लोग साथ मिलकर मनाते हैं। इस बार अप्रैल महीने में समिति ने १२ अप्रैल को यह आयोजन रखा था और हनुमान जयंती के शुभ अवसर पर सभी बहनों ने हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ किया। हनुमान जो के जीवन से संबंधित कुछ महत्वपूर्ण प्रसंगों पर संक्षिप्त चर्चा भी हो । सबको बहुत अच्छा लगा। मई महीने में स्नेहमिलन १० मई को रखा और इसमें मुख्य रूप से जोनल मीट पर चर्चा की गई, जो कि इस बार जमशेदपुर में ही होने वाली है और सभी बहनें इस मीटिंग को लेकर बहुत उत्साहित है।

SMT SANGITA KEJARIWAL

मासिक सुंदरकांड का पाठ:



वनबंधु परिषद कोलकाता महिला समिति के द्वारा दिनांक २८ अप्रैल को मासिक सुंदरकांड का पाठ एकल भवन में एवं १६ मई को इंदुजी डालमिया के निवास स्थान पर आयोजित किया गया। लगभग ५० की संख्या में सदस्यों ने पाठ का आनंद लिया।

एकल संगिनी:

एकल संगिनी महिला समिति के द्वारा २३ मई को हिंदुस्तान क्लब में एकल संगिनी वार्षिक प्रदर्शनी के लिए प्रचार कार्यक्रम रखा गया। इसमें सदस्यों को पिछले वर्ष का पूरा विवरण दिया गया और सभी सदस्यों ने इस वर्ष होने वाली प्रदर्शनी में हर संभव सहयोग देने का आश्वासन दिया।







जल संरक्षण एवं प्लास्टिक प्रदूषण:

३ मई को एकल भवन में मासिक मीटिंग के साथ 'जल संरक्षण एवं प्लास्टिक प्रदूषण' पर कार्यशाला आयोजित की गईं । इस कार्यशाला की प्रमुख वक्ता डॉ.मानसी बाल भार्गव थीं जो कि 'Women's Indian chamber of commerce and industry' की अध्यक्ष और 'W for W foundation' की निर्देशक हैं। उन्होंने कहा कि धरती पर जीवन को बचाये रखने के लिए जल का संरक्षण और बचाव बहुत जरूरी है। प्लास्टिक से निर्मित उत्पादों के अपशिष्ट को प्लास्टिक प्रदूषण कहते हैं। प्लास्टिक में नुकसान पहुंचाने वाले तत्व होते हैं, जो पर्यावरण और जीव जंतु के लिए ख़तरनाक होते हैं। अतः मनुष्य को प्लास्टिक से बनी वस्तुओं का बहिष्कार करना चाहिए। काफी अच्छी संख्या उपस्थिति थी।

SMT NEETA GOEL

गर्मी में राहत :



पटना महिला समिति द्वारा ब्रह्मसमाज मंदिर में ४ अप्रैल को एक्वागार्ड, पंखा और कूलर दिया गया। सभी सदस्याएं बहुत खुश और उत्साहित थी।



पटना महिला समिति द्वारा २३ अप्रैल अक्षय तृतीया के दिन दुर्गा माता के मंदिर में वाटर कूलर लगाया गया। इस दिन दो जगह शरबत, खीरा, तरबूज आदि का वितरण भी हुआ।

विवाह में सहयोग:



पटना महिला समिति की सभी सदस्याओं ने मिलकर२७ अप्रैल को २ कन्याओं को उनकी शादी के लिए सामान दिए। इस कार्य से सभी को आन्तरिक खुशी हुई।

मजदूर दिवस:



१ मई को मजदूर दिवस पर महिला समिति द्वारा करीब २०० मजदूरों को बिस्किट, पानी की बोतल, गमछा और भक्ति भाव को जागृत करने के लिए हनुमान चालीसा वितरित की गई।



थेलेसिमिया गस्त बच्चों का HLA test:





पटना महिला समिति द्वारा ७ मई को ३५ थेलेसिमिया ग्रस्त बच्चों का HLA test करवाया गया और उन्हें आगे निःशुल्क इलाज के लिए मां ब्लड सेंटर के साथ वेल्लोर भेजा गया। साथ में बच्चों को फ़ूटी, बिस्किट, पानी की बोतल, चादर और संस्कार जागृति हेतु हनुमान चालीसा भी दी गई। बच्चों के चेहरे पर खुशी देखते ही बन रही थी।

कार्यकर्ताओं का सम्मान :



२१ मई को पटना महिला समिति द्वारा कार्यकर्ताओं को साड़ी, शॉल, पजामा और कुर्ते का कपड़ा देकर उन्हें सम्मानित किया गया।







वार्षिक कैलेंडर

१८ अप्रैल की मीटिंग मे अंचल प्रभारियों को कैसे काम करना है इस बात पर विस्तार से जानकारी दी गई। वार्षिक कैलेंडर बनाया गया। नये सदस्यों को जोड़ने वाले वार्तालाप व संवाद हुये। सदस्यता व सेवा पात्र बढ़ाया जाएगा।

शरबत का वितरण:





वनबंधु परिषद्, रांची महिला समिति द्वारा दिनांक २३ अप्रैल को, अक्षय तृतीया के दिन दुर्गा मंदिर, साई मंदिर एवं रातु चौक के पास रिक्शा वाले, टेंपो वाले एवं मंदिर के सभी सदस्यों को तथा आम राहगीरों को सत्तु का शरबत और खसखस के शरबत का वितरण किया गया।



CPR ट्रेनिंग वर्कशॉप:

महिला समिति द्वारा २४ अप्रैल को CPR ट्रेनिंग वर्कशॉप डॉ.कुशाग्र महनसरिया के नेतृत्व में सफलतापुर्वक आयोजित की गई।

उन्होंने कहा, "स्वास्थ्य ही जीवन की हर खुशी का आधार है, इसलिए हमें अपनी दिनचर्या को व्यवस्थित एवं संतुलित बनाए रखना होगा, तभी हम दिल को स्वस्थ रख सकेंगे। व्यक्ति को दिल का दौरा पड़ने पर तरंत CPR दिया जाय तो जिन्दगी बच सकती है।

हर व्यक्ति को इसे सीखना बहुत जरूरी है जिससे किसी की भी जिन्दगी बचायी जा सकती है। दूसरों पर आश्रित न होकर स्वयं अपने काम करें। रिमोट कंट्रोल, लिफ्ट वगैरह का दिनचर्या में उपयोग कम किया जा सकता है। व्यक्ति पैदल चलना, दौड़ना, साईकिल चलाना, तैरना, योगासन आदि को अपनी दिनचर्या में शामिल कर अपने दिल को स्वस्थ रख सकता है। सात्विक भोजन को अपना कर आप अपने दिल को स्वस्थ रख सकेंगे। स्वस्थ रहें, मस्त रहें, व्यस्त रहें।" इतनी उपयोगी कार्यशाला के लिए डॉ. कुशाग्र का सम्मान कर धन्यवाद दिया गया।



प्रभाग स्तरीय नैष्णात्य प्रशिक्षण वर्ग:

रांची महिला समिती के नेतृत्व में ३ से ५ मई तक प्रभाग स्तर नैष्णात्य प्रशिक्षण वर्ग सम्पन्न हुआ। उत्तर झारखंड, दक्षिण झारखंड, उत्तर बिहार, दक्षिण बिहार और छत्तीसगढ़ जैसे ५ संभाग से २० कार्यकर्ता प्रशिक्षण वर्ग के लिए उपस्थित थे।

रांची महिला समिति के सदस्यों ने कार्यकर्ताओं के ठहरने और भोजन का इंतजाम किया तथा तीनों दिन उपस्थित रहकर उस प्रशिक्षण वर्ग का ज्ञान प्राप्त किया, जिससे एकल के बारे में बहुत जानकारी मिली।

उपस्थित सभी भाई-बहनो को उपहार के तौर पर दैनंदिनी, कलम, फ़ोल्डर व छतरी भेंट स्वरूप दी गई।

प्रशिक्षण शिविर:





रांची महिला सिमिति द्वारा ६ मई को रिंची हॉस्पिटल में ब्रेस्ट कैंसर जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में डॉक्टर नम्रता महनसिया द्वारा इस विषय पर मार्गदर्शन दिया गया। उन्होंने कहा कि "भारत में ८ महिलाएं अपने परिवार, आफिस और बच्चों में इतनी उलझी रहती है। कि अपने लिए समय नहीं निकाल पाती हैं। शरीर में अनावश्यक कुछ भी महसूस हो तो तूंरत डॉक्टर से सम्पर्क करना चाहिए जिससे अपने

और परिवार के सदस्यों को परेशानी से दूर रख सकते हैं। समय-समय पर डॉक्टर से सम्पर्क करती रहें, सतर्क रहें तो ऐसी बीमारियों से बचा जा सकता है। ब्रेस्ट कैंसर से बचाव के लिए साल में एक बार मैमोग्राम और अल्ट्रासाउंड करवा कर अपने को सुरक्षित रख सकते हैं। यह तकनीक दर्द रहित है।

"स्वयं से प्यार करे। अपने को सुरक्षित रखे" ।

इतनी उपयोगी कार्यशाला के लिए डॉ. नम्रता महनसरिया का सम्मान कर धन्यवाद दिया गया।



वनवासी बच्चों का नगर भ्रमण:



रांची महिला समिति द्वारा वनवासी बच्चों के लिए नगर भ्रमण यात्रा २० से २४ मई के मध्य आयोजित की गई। इस चार दिवसीय नगर भ्रमण यात्रा में विभिन्न संचों से आए एकल विद्यालयों के बच्चों ने भाग लिया।

बच्चों को जे डी हाई स्ट्रीट मॉल में एम एस धोनी पिक्चर दिखाया गया उसके पश्चात मध्यान भोजन करवाया और गेम जोन में बच्चों ने विभिन्न प्रकार के खेत भी खेले।

आरोग्य भवन में समर कैंप भी लगाया गया था, जहां बच्चों ने विभिन्न प्रकार के खेलों का आनंद भी लिया। नगर भ्रमण यात्रा में बच्चों के चेहरे पर झलकने वाली खुशी और उत्साह बहुत ही आनंदमय था।



SMT PREMLATA AGARWAL

हनुमान जन्मोत्सव:



६ अप्रैल २०२३ कोवन बंधु परिषद गया महिला समिति सदस्य तथा अन्य महिलाओं ने मिलकर खूब धूमधाम से हनुमान जन्मोत्सव मनाया।

लक्ष्मी नारायण मंदिर में सभी ने सुंदरकांड का पाठ किया। हनुमान चालीसा और भजन भी गाए। आरती की और भोग लगाया तथा प्रसाद का वितरण किया। पूरा कार्यक्रम बहुत ही सुंदर रहा। सभी को बहुत आनंद आया।

८ अप्रैल २०२३ को वन बंधु परिषद गया महिला समिति ने प्याऊ सेवा शुरू की, जिसे रिक्शा वाले, ठेला वाले तथा सभी गरीब भाई बहनों को थोडी राहत मिले।

वनयात्रा:



८ मई २०२३, सोमवार को महिला समिति ने डिहुरी गांव संच चनोती गया जिला की वनयात्रा की। चार सदस्य तथा दो अतिथि गये थे।

गांव की महिलाओं ने बहुत सुंदर रंगोली बनाई थी। उन्होंने टीका लगाकर व माला पहनाकर सबका स्वागत किया। उनके स्वागत से सभी लोग भाव विभोर हो गए।

सबसे पहले सरस्वती माता तथा भारत माता की पूजा की ओर ॐ के उच्चारण से कार्यक्रम की शुरुआत की गयी। बच्चों तथा कार्यकर्ताओं ने हनुमान चालीसा व गायत्री मंत्र का पाठ किया। फिर बच्चों ने कविताएं तथा पहाड़ा सुनाया। सारा कार्यक्रम बहुत ही सुंदर हुआ।

आज सुरेश अग्रवाल जी के जन्मोत्सव पर गांव के बच्चों अथवा कार्यकर्ताओं को मिठाई, जूस, नमकीन तथा बैट बॉल, फटबॉल, कैरम ओर लुडो इत्यादि का वितरण किया और सभी ने मौजमस्ती भी की।



SMT ANU DEORA

सुंदरकांड:



एकल सुर ताल की टीम डिब्रुगढ़ आई। इस शुभ अवसर का लाभ उठाते हुए डिब्रुगढ़ महिला समिति ने वनबंधु परिषद से नए लोग जुड़ें इस बात को मद्दे नज़र रखते हुए, समाज के कुछ बंधु तथा समिति सदस्यों के निवास स्थान पर सुंदरकांड तथा हनुमान चालीसा का आयोजन रखवाया। श्रोताओं की उपस्थिति अच्छी रही।

. शहर के राधा कृष्णा मंदिर में एकादशी का अवसर पर एकल सुरताल के द्वारा भजन की प्रस्तुति दी गई। साथ ही परिवार संपर्क का कार्यक्रम भी रखा गया।

वन यात्राः



१६ मई को वन बंधु परिषद डिब्रुगढ़ महिला समिति ने जोकई टी इस्टेट में कुछ नए अतिथियों के साथ वन यात्रा की जो एकल से जुड़ गये।



Dibrugarh Mahila Samiti

फिल्म पदर्शनः





वन बंधु परिषद डिब्रुगढ़ महिला समिति ने एकल के कार्यकर्ता, आचार्य, ग्रामवासी, वयस्क लड़कियाँ, नगरवासी, <mark>कार्यरत</mark> लड़कियाँ व ४०० से अधिक लोगों को २२ और २३ मई को "द केरला स्टोरी" फ़िल्म दिखाई। फ़िल्म दिखाने का उद्देश्य:

- * हिंद सनातन धर्म को समझना।
- * धर्म के अभाव में भटकाव से बचाना।
- * भावनाओं में बहकर कोई निर्णय न लें यह मार्गदर्शन।
- युवावस्था में होने वाले भटकाव पर नियंत्रण।
- * धर्मांतरण व अन्य माध्यम से जीवन को बर्बाद होने से रोकना।

वनयात्रा -२:





२८ मई कों माईजान पार्क लेन में डिब्रुगढ़ का संच समीक्षा का आयोजन हुआ व २९ मई को डिब्रुगढ़ महिला समिति तथा अतिथियों के साथ ग्रीन वृड इस्टेट में वन यात्रा रखी गई।

Thank